

Living the

LOTUS

Buddhism in Everyday Life

8
2016

VOL. 131

FOUNDER'S ESSAY

युवाओं की आकांक्षाएँ

किसी भी युग में युवा लोग प्रगतिशील होते हैं, वे सदा उत्तम जीवन जीने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। जब आपको इस तथ्य में दृढ़ विश्वास है तो युवाओं के विषय आपका विचार पूर्णतः बदल जायेगा और आप ऐसा कभी नहीं कहेंगे कि “आज के युवा लाचार हैं” या “उनमें इच्छा शक्ति का अभाव है।” आपको युवाओं के प्रति उत्तम विचार रखना चाहिए और पहचान लेना चाहिए कि यदि युवा (जिन्हें पूर्ण गतिशील होना चाहिए) लाचार हैं तो इसका दोष समाज के ऊपर है।

उदाहरण स्वरूप जो बच्चे स्कूल जाने से कतराते हैं वास्तव में उनमें दूसरे बच्चों की अपेक्षा स्कूल जाने की इच्छा अधिक प्रगाढ़ होती है। विशेषकर ऐसे युवा जो विवश हो गये हैं, वे वास्तव में जीवन से कुछ उत्तर पाने के लिए बिलख रहे हैं। फिर भी उन्हें

दृढ़ विश्वास है कि उनके स्कूल और उनके माता पिता उन्हें इस रूप में स्वीकारने को तैयार नहीं है। वयस्कावस्था की आत्मनिष्ठ सोच से बोझिल उसका मूल्यांकन इस हद तक गया है कि यदि वे अच्छे ग्रेड से उत्तीर्ण नहीं होते और किसी ऐसी कम्पनी में नियुक्ति नहीं होती जहाँ बड़ा पगार मिले तो वे कभी जीवन में सुखी नहीं होंगे। यह जानना संभव नहीं है कि कितने ऐसे बच्चे हैं जो वर्तमान सामाजिक संगठन के समानुकूल नहीं हैं और यह भाव उनके मन में घर कर गया है कि वे असफल हैं।

युवाओं के जीवन में परिवर्तन आता है जब वे किसी ऐसे व्यक्ति से मिलते हैं जो उन्हें अपने मानव होने के सच्चे मूल्य की शिक्षा देगा और उनके साथ सरल बना रहेगा।

काइसोजुकिन 8 (कोसेइ पब्लिसिंग क०), पृ-90-91 के सौजन्य से

Living the Lotus
Vol. 131 (August 2016)

Published by Rissho Kosei-kai International,
Fumonkan, 2-6-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo, 166-8537 Japan
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: shanzai.rk-international@kosei-
kai.or.jp
Senior Editor: Shoko Mizutani
Copy Editor: Parmita Shekhar
Editorial Staff of RK International

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

□लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।



GUIDANCE BY PRESIDENT NIWANO

स्वयं से प्रारंभ करो

निचिको निवानो

प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

सानन्द स्वेच्छा से

कभी कभी मैं अपने पड़ोस में देखता हूँ कि स्वयंसेवक युवाओं का दल रोड के किनारे फेंके गये कचड़ों को चुन रहा है। यह एक मन को तरोताजा करनेवाला दृष्य है। उन लोगों ने जितना अधिक चुन लेने का प्रयास किया है फिर भी, बहुत सारे सिगरेट के टुकड़े, खाली ड्रिंक कैन तथा फेंके गये रद्दी पेपर का कोई अन्त नहीं है। मुझे आश्चर्य हुआ कि उन फेंकने वालों में कोई समाजिक नैतिकता नहीं है।

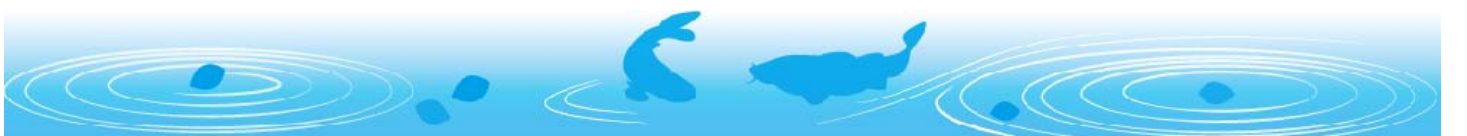
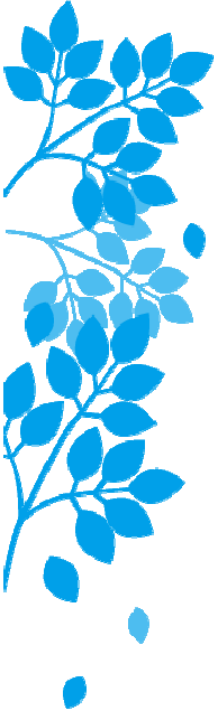
यदि मैं फेंकने वालों की भर्त्सना करूँ, फिर भी हमारी उत्तेजना एवं हमारा क्रोध बढ़ता जायेगा और हमारा मन असंतोष से भर जाएगा। अवश्य ही हम अपने मन को अन्य के द्वारा फेंकी गंदगी से गंदा नहीं करेंगे।

कुछ दिन पूर्व जब मैं अपनी पत्नी के साथ बाहर टहलने के लिए निकाला हम ने भी रोड किनारे के बिखरे कचरों को चुना था। इससे हमें पुनः एक प्रत्यक्ष तथ्य का अनुभव हुआ कि यदि लोग गन्दगी नहीं बिखरें तो अन्य को दूसरों की गंदगी हटाने के लिए तकलीफ लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इस अनुभव के कारण मैंने सोचा कि “मैं गंदगी नहीं फैलाऊँगा,” जो मेरे मन को अलंकृत किये है। साथ ही मैंने यह भी अनुभव किया कि यदि दूसरों की फैलायी गंदगी से मुझे परेशानी है तो इसमें भी एक संकेत है कि दूसरों की भर्त्सना करने के पूर्व मैं स्वयं से प्रारंभ करूँ और कोई सकारात्मक कदम उठाऊँ।

आप स्वयं से प्रारंभ करो जब कभी कहीं भी आपके मदद की आवश्यकता है। यह बिखरे कचरे को उठाने तक ही सीमित नहीं है बल्कि जीने के लिए जिस जीवन शैली से संतुष्टि मिलती है उसका मार्गदर्शक होना चाहिए।

ऐसा करने में यह महत्त्व का है कि आपका कार्य आपके मन के स्वाभाविक क्रिया को दर्शाये और आप अपने क्रियाकलाप में आनन्द लें। जैसाकि एक प्राचीन भारतीय ग्रन्थ में लिखा है “बोधिसत्व जो दूसरों को लाभ पहुंचाते हैं उसमें उनको गर्व का भाव उत्पन्न नहीं होता है और नहीं उनमें अहंकार आता है क्योंकि वे वैसा करने में उनको आनन्द मिलता है।”

हम सभी बोधिसत्व हैं और बुद्ध से उद्भूत हैं। इसलिए अपने कार्यों के प्रति सचेत होना या जोर देकर कार्य कराने की भावना से असंतुष्ट होने से आनन्द नहीं मिलता है।



जैसे कि प्रकृति वरदानों की अप्रतिबंधित वर्षा करती है। हम सब भी स्वतः ही जो जरूरत में उनके प्रति अपना हाथ बढ़ायें और गन्दे जगह की सफाई में बढ़ चढ़ कर भाग लें। वैसा करना आनन्द की बात है जो हमें दूसरे प्रकार की भावनाओं एवं चिंताओं से मुक्त करता है। यह मानसिक अवस्था बुद्ध के अबाधित ध्यान के तुल्य है जिसका अर्थ है कि हम सब स्वयं प्रारंभ से दिशानिर्देश का पालन कर रहे हैं।

एक व्यक्ति के अनुकम्पामय चित्त से

बीते वसंत में जापान में भयंकर भूकंप आया था जिसका केन्द्र कुमामोतो प्रिफेचर था। यह देखकर दुःख होता है कि बहुत सारे स्थानीय लोग हैं जिनका संघ के सह-सदस्यों की परिस्थिति के विषय चिन्तित हैं और उनकी मदद करने के लिए हर तरह की कोशिश कर रहे हैं यद्यपि जीवन बड़ी कठिनाइयों में गुज़र रहा है। मैंने सुना है कि भूकम्प आने के समय से रिश्शो कोसेइ काइ के उस क्षेत्र के अनेक सदस्य अपने वे स्वयं उस विपदा के शिकार हैं और अपनी कठिनाइयों से जुझ रहे हैं। किसी के द्वारा माँग किये बिना ही उन्होंने जीवन रक्षक सामग्रियों का वितरण किया, जो जिन्दा बचे थे उनके अनुभव को सुना, उनको सहानुभूति दिया और उनको हिम्मत बन्धाया। एक सदस्य के शब्दों में “ मैं स्वयं नहीं जानता कि क्यों मैं अपने प्रयत्न में जुटा रहा और लगता है मैं भूल चुका हूँ कि क्या मैं खाया या सोया भी था।” जैसाकि इस कथन में है “ बुद्ध अनुकम्पा का सोचे वगैर ही अनुकम्पा दिखलाते हैं,” अवश्य ही सदस्यगण मानसिक रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित थे और सहयोग माँगने के लिए भी नहीं रुके। बल्कि एक ने माना कि उन्होंने इस अवसर को कर्मिक सम्बन्ध से जोड़कर सहर्ष स्वीकार किया और अधिक से अधिक कार्य के निष्पादन में स्वयं को व्यस्त रखा।

अवश्य ही बोधिसत्व के समान सभी लोग विशिष्ट रूप से रिश्शो कोसेइ काइ के सदस्य नहीं हैं। जब मैं उन सभी के संबन्ध सुनता हूँ जो स्वयं से प्रारंभ कर आगे निकल आये, जिन्होंने दूसरों को अपने से आगे रखने का प्रयास किया, वैसा ही किया जैसी उनकी आत्मा की आवाज थी, स्वयं को आसक्ति से मुक्त कराया और सहर्ष दूसरों की मदद करने के लिए दौड़ पड़े। मैं सोचता हूँ कि वे सभी इसकी शिक्षा दे रहे हैं कि कितना विशाल हमारे मन की शान्ति होगी जब हम सभी दूसरों की चिन्ता को दूर करने के लिए का करेंगे।

क्योर्योकु शब्द के क्यो (सहयोग) का अर्थ है दो शक्तियों के मध्य संगति बैठाना। अपने परिवार के सदस्यों का सोचते हुए अपने आस पास के लोगों को ध्यान में लेकर अपने दिल-दिमाग को स्वयं से प्रारंभ करने की ओर मोड़ने से लगेगा कि शान्ति की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ सभी संतोषमय जीवन जी रहे हैं।

शान्ति की बात से ध्यान आया कि जिस विधि से शान्त प्राप्त होती है वह मात्र साकारात्मक प्रयत्नों का परिणाम नहीं है बल्कि निरन्तर दिल-दिमाग को सभी लोगों के प्रति खुला रखने की आवश्यकता है, यहाँ तक कि, उनके प्रति भी जिन्हें हम सोचते हैं कि वे कठोर आलोचना के पात्र हैं। हमारी चेतना में परिवर्तन हम सभी के लिए बड़े महत्त्व का है।

From Kosei, August 2016.



Child Care lifeline

मैं अपने पुत्र के प्रति चिन्तित हूँ जो दूसरे बच्चों को मार बैठता है



प्रश्न: मेरा करीब दो वर्ष का पुत्र दूसरे बच्चों को अकारण ही मार बैठता है और मैं नहीं समझ पाती हूँ कि मैं क्या करूँ। जब मैं अपने पुत्र को पार्क ले गया मुझे अन्य माताओं से माफ़ी मांगनी पड़ी, जिससे मैं सचमुच में थक गयी हूँ। लेकिन मेरी कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि यह क्या हो रहा है। मैं आजकल चार महीने से गर्भवती हूँ और मेरा मन इन्हीं समस्याओं में लगा रहता है। एक दिन मैं इतना घबरा गयी कि अपने पुत्र को एक थप्पड़ मार दिया। मेरा थप्पड़ मारने से शायद मेरे पुत्र के ऊपर भावनात्मक आघात लगा है ?



उत्तर : मैं सोचता हूँ कि आप अच्छी माँ हैं क्योंकि

आप अपने पुत्र के कारनामों के विषय सोचती हैं।

यह आपका पुत्र के प्रति प्रेम ही है जो थप्पड़ मारने के विषय सोचने को विवश किया है। क्योंकि आप सोच विचार की धनी माँ हैं, मुझे विश्वास है कि आप बच्चों के पालने की समस्याओं का समाधान निकाल लेंगी और तब आपको इस प्राप्ति का बहुत आनन्द मिलेगा।

जब बच्चे वैसे कार्य करना शुरू करते हैं जो पहले नहीं करते थे, यह एक संकेत है कि इसमें कुछ संदेश देने की कोशिश छिपा है। जहाँ तक दूसरे बच्चों को मार बैठने का प्रश्न है एक दृष्टि में बहुत खराब लगता है परन्तु इसके पीछे जो छिपा हुआ संदेश है उस पर भी ध्यान देना महत्वपूर्ण है। तुम्हारे संबंध में तीन भिन्न संभावनाएँ हैं जो मेरे विचार में आता है। प्रथम, बच्चे माँ के प्रत्येक दिन के शब्दों एवं कार्यों को देखते हुए बढ़ते हैं (शिक्षा प्रभाव में आकर)। बच्चे सदा अपने माता पिता के बातों का ध्यान नहीं देते हैं। माता पिता चाहते हैं कि वे वैसे ही आचरण करें जैसा वे चाहते हैं, तब वे भावुक हो जाते हैं और बिना सोचे ही मार बैठते हैं। बच्चे अपने माँ के रास्ते का अनुकरण करते हुए साधारणतः बढ़ते हैं। इसलिए जब बच्चे नहीं कर पाते हैं जैसा वे सोचते हैं, मेरी समझ में दूसरे बच्चों को अनायास ही मार बैठते हैं।

एक दूसरी संभावना है कि बच्चे अपनी मित्रता की भावना को दूसरे बच्चों के साथ व्यक्त करने में असमर्थ होते हैं और वे दूसरों को मार बैठते हैं। इस विषय में यह अच्छा होगा कि आप अपने पुत्र को दूसरों के साथ मित्रता करने के अवसर की तलाश में रहें। अगर आपका का बच्चा दूसरों को मार बैठता है तो आप उन बच्चों से माफ़ी माँग ले और अपने बच्चे से कहें कि दूसरों को मार बैठना अच्छा नहीं है। अपने बच्चे को बताये कि वह कैसा व्यवहार करे।

अन्त में एक अन्य संभावना है “कि आपके पेट में जो बच्चा पल रहा है उसके प्रति वह संवेदनशील है और वह “बालसुलभ अपकर्षण” का शिकार है।

इनमें से किसी भी संभावना में यह महत्त्व का है कि आपके पुत्र को आपका स्नेह मिलता रहे। यदि वह दूसरे बच्चे को मार बैठने के लिए माफ़ी माँगने में समर्थ हो है तो आप उसे अपने से लगाकर थपकी दें। उसे अपने गोद में बिठाकर कहें कि “मेरे पेट में एक बच्चा है” या “मेरे पेट में जो बच्चा है वह समय आने पर तुम्हारे साथ खेलेगा।”

इस तरह के देखभाल तथा शारीरिक संबंध से आपका पुत्र मानसिक रूप से स्थिर हो जायेगा और धीरे धीरे वह दूसरों को आघात पहुँचाने से बच जायेगा।

Point Motherly Warmth

प्वाइंट: मातृत्व की गरमाहट बच्चों में अधिकतर जो समस्याएँ हैं उनमें माँ की देखभाल का अधूरा रह जाना है। इन मुद्दों को कभी नजरंदाज न करें और अपने पुत्र को स्नेह देने में लगायें रखें।



(उत्तर, टोकियो रिसर्च इन्स्टिट्यूट फार फैमली एजुकेशन के सौजन्य से)

टोकियो परिवारशिक्षा शोध संस्थान के सहयोग से

The Tokyo Research Institute for Family Education इस आधार पर काम करता है कि “यदि माता पिता बदल सकते हैं तो बच्चों में भी परिवर्तन आयेगा।” हम विभिन्न स्थानों में प्रेजेंटेशन देते हैं और संबन्धित माता पिता को अपनी सलाह देते हैं। “Family education from their children” कार्यक्रम में हमारी मदद से अनेक हँसते खेलते परिवार निकल आये।

चित्त में कुशल मूल का आरोपण

आप अपने पुत्र के विषय में सचमुच चिन्तित हैं और अपने हृदय में उसके लिए स्थान बनाने में क्रियाशील हैं, जबकि आप के जीवन में स्वयं बहुत सारी उलझने हैं। मैं सोचता हूँ कि आप एक विलक्षण माँ हैं।

यद्यपि हम मानव प्राणी अपनी बुद्धि से समझते हैं कि "यह ठीक है" या "ऐसा नहीं होना चाहिए था," फिर भी हम अपनी तर्क बुद्धि के बजाय, सहज ही अपनी भावनाओं से प्रभावित हो जाते हैं। इसलिए, क्या है उन भावनाओं का स्रोत ?

स्रोत है अवचेतन मन का, जिसके विषय हम अनभिज्ञ हैं और जिस पर हमारा नियंत्रण नहीं है। अवचेतन मन हमारी भावनाओं का स्रोत है और वह हमारी भावनाओं को जन्म देती है।

इसलिए हमें बौद्ध धर्म की शिक्षा है कि अपने अवचेतन मन को निर्मल करना चाहिए। कैसे इस अवचेतन मन को निर्मल करेंगे ? ऐसा करने के लिए कुशल कर्मों से अर्जित के पुण्य का संग्रह करना चाहिए तथा दैनिक जीवन में अकुशल कार्यों से विरत रहना चाहिए।

जब हम अपने एक कुशल कर्मों के द्वारा भी आत्मनिष्ठ विचारों से ऊपर उठने की कोशिश करते हैं तब हम ऐसे पुरुष के रूप में उभरकर आते हैं जो अपनी भावनाओं के सरल में ही वशीभूत नहीं होते हैं। हमें अपने मन चित्त में कुशल मूल को आरोपित करना चाहिए, बल्कि हम जो नहीं कर सके हैं उस पर पश्चाताप नहीं करना चाहिए। ऐसा सकारात्मक व्यवहार माता की ओर से बच्चों के मन चित्त में सकारात्मक भाव का सम्पोषण करेगा।

कृपया अपने परिवार के सदस्यों को तहे दिल से एवं बड़े मुस्कान के साथ अभिवादन करना प्रारंभ करें।

(धर्म शिक्षा एवं मानव संसाधन विभाग, रिश्तो कोसेइ काइ के)



Please give us your comments!



We welcome comments on our e-newsletter Living the Lotus.

Please send us your comments to the following e-mail address.

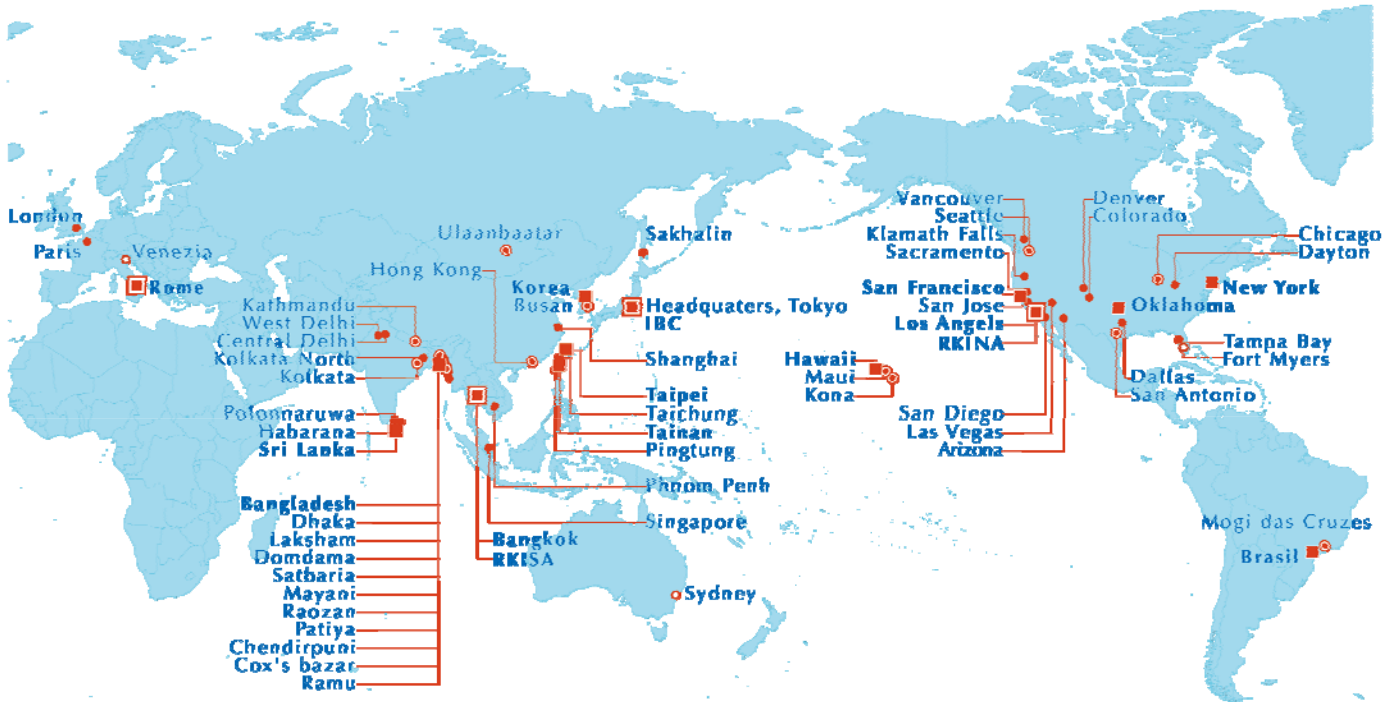
E-mail: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

संसार में हँसी-खुशी देने के लिए अपनी मुस्कान को चमकाने दो

महा पवित्र हॉल के रात्रि-सेवा दल के प्रमुख के रूप में एक वर्ष में कई बार कार्य करने का और वहाँ एक निर्देशित कमरे में रात्रि-विश्राम का अवसर मिला। मैं प्रातः पांच बजे के पूर्व ही उठ गया, उस समय दिन के सेवा दल के लोग भी वहाँ एकत्र हो गये। सभी स्वयं सेवक थे। महा पवित्र हॉल पहुँचने के लिए उन्हें अपने घर से बहुत सवेरे निकलना पड़ा होगा। यह आश्चर्यजनक था कि सबों के मुख पर मुस्कान था। वे बहुत खुश थे। उनके मुस्कान की सौम्यता रिश्शो कोसेइ काइ के सदस्यगण जहाँ कहीं हैं उनके विस्मयकारी मुस्कान का मुझे स्मरण कराता है।

“हम सदस्यगण में से प्रत्येक में संस्थापक का आध्यात्मिक DNA है।” विश्व संघ के 2016 के परिषद् के अवसर पर जो मेरे मन में आया वह था पूज्य कोशो निवानो के ये शब्द। मुझे याद है कि संस्थापक निवानो सदा मुस्कुराते रहते थे। जो मैंने संस्थापक निवानो से सीखा वह है सदा मुस्कुराते रहना, मुस्कुराते रहनेवाला सहज ही आनन्दित रहता है और जीवन में मुस्कुराते रहनेवाला संसार में अन्य को आनन्दित करता है। अतः हम संस्थक के आध्यात्मिक DNA की ओर दृष्टि करें और संसार में हर्षोल्लास का विस्तार करें।

रिश्शो कोसेइ काइ अन्तरराष्ट्रीय विभाग निर्देशक
शोको मिजुतानी



 **RISSHO KOSEI-KAI INTERNATIONAL BRANCHES** 

Rissho Kosei-kai Overseas Dharma Centers

2016

Rissho Kosei-kai International

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 Fax: 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First Street Suite #1 Los Angeles
CA 90033 U.S.A

Tel: 1-323-262-4430 Fax: 1-323-262-4437
e-mail: info@rkina.org http://www.rkina.org

Branch under RKINA

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, U.S.A.

Tel: 1-253-945-0024 Fax: 1-253-945-0261

e-mail: rkseattle@juno.com

http://www.buddhistLearningCenter.com

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.

Tel: 1-210-561-7991 Fax: 1-210-696-7745

e-mail: dharmasanantonio@gmail.com

http://www.rkina.org/sanantonio.html

Rissho Kosei-kai of Tampa Bay

2470 Nursery Rd. Clearwater, FL 33764, USA

Tel: (727) 560-2927

e-mail: rktampabay@yahoo.com

http://www.buddhismtampabay.org/

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.

Tel: 1-808-455-3212 Fax: 1-808-455-4633

e-mail: info@rkhawaii.org http://www.rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, U.S.A.

Tel: 1-808-242-6175 Fax: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, U.S.A.

Tel: 1-808-325-0015 Fax: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.

Tel: 1-323-269-4741 Fax: 1-323-269-4567

e-mail: rk-la@sbcglobal.net http://www.rkina.org/losangeles.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.

Tel: 1-650-359-6951 Fax: 1-650-359-6437

e-mail: info@rksf.org http://www.rksf.org

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, U.S.A.

Tel: 1-212-867-5677 Fax: 1-212-697-6499

e-mail: rkny39@gmail.com http://rk-ny.org/

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, U.S.A.

Tel: 1-773-842-5654

e-mail: murakami4838@aol.com

http://home.earthlink.net/~rkchi/

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

http://www.rkftmyersbuddhism.org/

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112, U.S.A.

Tel & Fax: 1-405-943-5030

e-mail: rkokdc@gmail.com http://www.rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Klamath Falls

1660 Portland St. Klamath Falls, OR 97601, U.S.A.

Rissho Kosei-kai, Dharma Center of Denver

1571 Race Street, Denver, Colorado 80206, U.S.A.

Tel: 1-303-810-3638

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

635 Kling Dr, Dayton, OH 45419, U.S.A.

http://www.rkina-dayton.com/

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,

CEP 04116-060, Brasil

Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377

Fax: 55-11-5549-4304

e-mail: risho@terra.com.br http://www.rkk.org.br

Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,

CEP 08730-000, Brasil

Tel: 55-11-5549-4446/55-11-5573-8377

Rissho Kosei-kai of Taipei

4F, No. 10 Hengyang Road, Zhongjhen District, Taipei City 100, Taiwan

Tel: 886-2-2381-1632 Fax: 886-2-2331-3433

http://kosei-kai.blogspot.com/

Rissho Kosei-kai of Taichung

No. 19, Lane 260, Dongying 15th St., East Dist.,

Taichung City 401, Taiwan

Tel: 886-4-2215-4832/886-4-2215-4937 Fax: 886-4-2215-0647

Rissho Kosei-kai of Tainan

No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan

Tel: 886-6-289-1478 Fax: 886-6-289-1488

Rissho Kosei-kai of Pingtung

Korean Rissho Kosei-kai

6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea

Tel: 82-2-796-5571 Fax: 82-2-796-1696

e-mail: krkk1125@hotmail.com

Korean Rissho Kosei-kai of Busan

3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea

Tel: 82-51-643-5571 Fax: 82-51-643-5572

Branches under the Headquarters

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road,

North Point, Hong Kong,

Special Administrative Region of the People's Republic of China
Tel & Fax: 852-2-369-1836

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar

15f Express tower, Enkh taiwnii urgun chuluu, 1st khoroo, Chingeltei district, Ulaanbaatar, Mongolia
Tel: 976-70006960
e-mail: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Sakhalin

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk
693005, Russian Federation
Tel & Fax: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29-00184 Roma, Italia
Tel & Fax : 39-06-48913949
e-mail: roma@rk-euro.org

Rissho Kosei-kai of the UK

Rissho Kosei-kai of Venezia

Castello-2229 30122-Venezia Ve Italy

Rissho Kosei-kai of Paris

86 AV Jean Jaures 93500 Tentin Paris, France

Rissho Kosei-kai of Sydney

International Buddhist Congregation (IBC)

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Sugunami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1230 *Fax:* 81-3-5341-1224
e-mail: ibcrk@kosei-kai.or.jp <http://www.ibt-rk.org/>

Rissho Kosei-kai of South Asia Division

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Sugunami, Tokyo, 166-8537, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 *Fax:* 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218
e-mail: thairissho@csloxinfo.com

Branches under the South Asia Division

Rissho Kosei-kai of Central Delhi

224 Site No.1, Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi,
110060, India

Rissho Kosei-kai of West Delhi

66D, Sector-6, DDA-Flats, Dwarka
New Delhi 110075, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar,
Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road
Rumpur, Gaya-823001, Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur,
Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Singapore

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

#201E2, St 128, Sangkat Mittapheap, Khan 7 Makara,
Phnom Penh, Cambodia

Thai Rissho Friendship Foundation

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218
e-mail: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei-kai of Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai of Dhaka

House#408/8, Road#07(West), D.O.H.S Baridhara,
Dhaka Cant.-1206, Bangladesh
Tel: 880-2-8413855

Rissho Kosei-kai of Mayani

Maitree Sangha, Mayani Bazar, Mayani Barua Para, Mirsarai,
Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Patiya

Patiya, sadar, Patiya, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Domdama

Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar

Ume Burmese Market, Main Road Teck Para, Cox'sbazar, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Satbaria

Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Laksham

Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Raozan

West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Chendirpuni

Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Ramu

Rissho Kosei-kai Dhamma Foundation, Sri Lanka

382/17, N.A.S. Silva Mawatha, Pepiliyana, Boralessgamuwa, Sri Lanka
Tel & Fax: 94-11-2826367

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Rissho Kosei-kai of Habarana

151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

Other Groups

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai